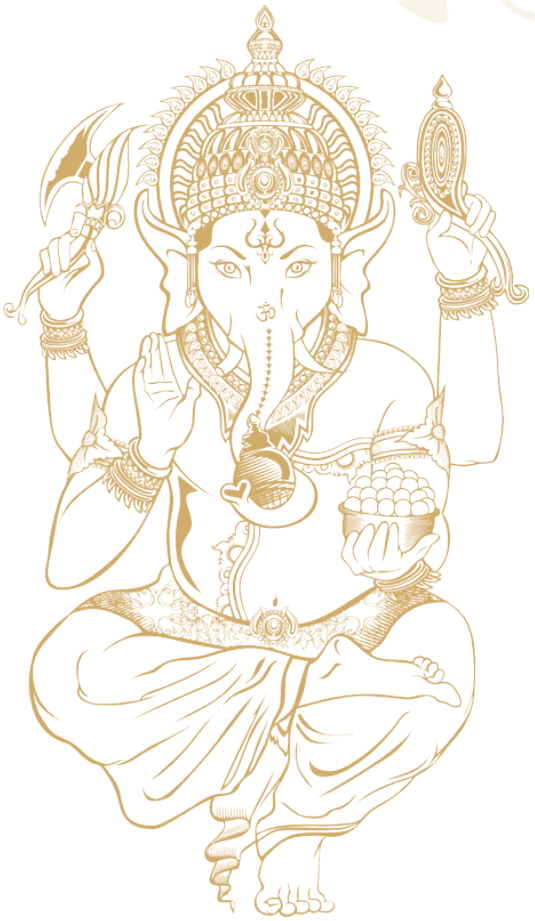

R

P

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/10/1995	जन्म तिथि	12/06/2001
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	06:36:00 घंटे
घटी 11:30:16	जन्म समय(घटी)	03:42:03 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Ghazipur
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:36:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	83:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:04:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:53	सूर्योदय	05:04:11
17:36:10	सूर्यास्त	18:46:44
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 3मा 10दि	22:18:06	वृश्चि	लग्न	मिथु	17:23:12	मंगल 1वर्ष 3मा 5दि
चन्द्र	22:37:16	कन्या	सूर्य	वृष	27:16:17	गुरु
19/01/2023	10:53:52	मेष	चंद्र	कुंभ	04:15:22	16/09/2020
19/01/2033	28:38:25	तुला	मंगल व	वृश्चि	29:26:04	16/09/2036
चन्द्र 20/11/2023	12:30:51	कन्या व	बुध व	मिथु	04:01:16	गुरु 05/11/2022
मंगल 20/06/2024	18:09:09	वृश्चि	गुरु	वृष	29:04:09	शनि 18/05/2025
राहु 20/12/2025	06:03:17	तुला	शुक्र	मेष	11:32:32	बुध 24/08/2027
गुरु 21/04/2027	25:40:45	कुंभ व	शनि	वृष	12:44:32	केतु 30/07/2028
शनि 19/11/2028	02:39:51	तुला	राहु	मिथु	12:32:47	शुक्र 31/03/2031
बुध 21/04/2030	02:39:51	मेष	केतु	धनु	12:32:47	सूर्य 17/01/2032
केतु 20/11/2030	02:43:54	मक	हर्ष व	कुंभ	00:53:36	चन्द्र 18/05/2033
शुक्र 20/07/2032	28:58:53	धनु	नेप व	मक	14:38:18	मंगल 24/04/2034
सूर्य 19/01/2033	05:03:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:50:47	राहु 16/09/2036

लग्न-चलित

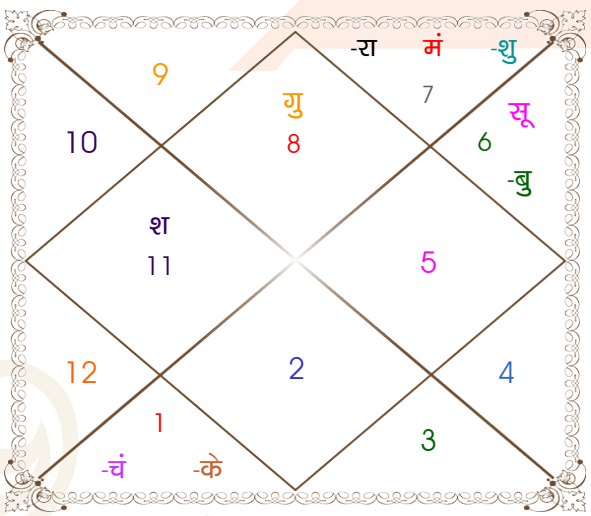

लग्न-चलित

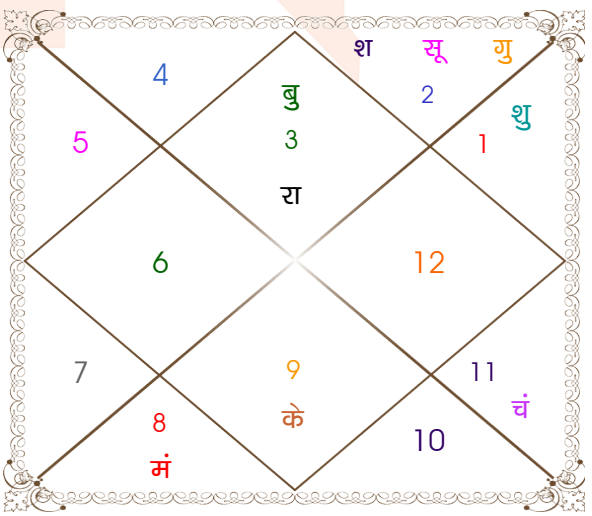

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

R का वर्ग मृग है Rाथा P का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार R और P का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

R मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल R कि कुण्डली में द्वादश भाव में Rुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु R कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

P मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि P कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल P कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

R तथा P में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।